भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1216
9 फरवरी, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

वायु प्रदूषण का प्रभाव

1216. श्रीमती रंजीता कोली:
श्री सुमेधानंद सरस्वती :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय मौसम विभाग ने वायु प्रदूषण के खतरनाक प्रभावों के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने और नागरिकों को वायु गुणवत्ता का परीक्षण करने में सक्षम बनाने के लिए कोई एपलीकेशन शुरु किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन शहरों के नाम क्या हैं जहां यह सुविधा वर्तमान में उपलब्ध है;

(ग) क्या सरकार का विचार निकट भविष्य में देश के अन्य भागों में यह सुविधा उपलब्ध कराने का है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क-(ख) भारत मौसम विज्ञान विभाग आम जनता एवं प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरणों हेतु प्रचालनात्मक वायु गुणवत्ता सूचना प्रदान करता है। ये पूर्वानुमान https://mausam.imd.gov.in एवं https://ews.tropmet.res.in. वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाते हैं; भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे द्वारा तैयार किया गया सफर-एयर वेब एप्लिकेशन चार मेट्रोपॉलिटन शहरों (दिल्ली, पुणे, मुम्बई एवं अहमदाबाद) में स्थान विशिष्ट वायु गुणवत्ता सूचकांक एवं परामर्शिका जारी करता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF & CC) से जानकारी या जागरुकता अभियान उपलब्ध करवाया जा सकता है। नई दिल्ली, चेन्नई, मुम्बई, अहमदाबाद एवं पुणे शहरों में वायु गुणवत्ता जानकारी प्रदान की जा रही है।

(ग) जी, हां।

(घ) प्रचालनात्मक वायु गुणवत्ता सूचना सेवा निम्नलिखित शहरों में भी विस्तारित की जा रही है: वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, कोलकाता, बेंगलुरू एवं पटना।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

******